दैनिक जागरण नई दिल्ली, 16 मई 2019 जागरण सिटी नोएडा

# मजेंटा लाइन से जुड़ेगी एक्वा मेट्रो

## ग्रेनो प्राधिकरण बोर्ड से मंजूरी के बाद भेजेगा प्रस्ताव, शहर के विकास में नहीं आई तेजी

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : एक्वा मेट्रो ग्रेटर नोएडा के विकास की धुरी बनने की उम्मीद पर खरी नहीं उतरी है। मेट्रो को प्रभावी बनाने के लिए इसे मजेंटा लाइन से लिंक करने की योजना है। नॉलेज पार्क चार से आगे मेट्रो का विस्तार ट्रांसपोर्ट हब तक किया जाएगा। प्राधिकरण जल्द ही नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) को इसका प्रस्ताव देगा। इससे पहले प्राधिकरण बोर्ड में इसके लिए अनुमति लेगा।

जनवरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्वा लाइन मेट्रो का उद्घाटन किया था। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को उम्मीद थी कि एक्वा मेट्रो के शुरू होने से दिल्ली एनसीआर की आवाजाही और बेहतर हो जाएगी। नौकरीपेशा लोग ग्रेटर नोएडा में बसने को प्राथमिकता देंगे। लेकिन प्राधिकरण की उम्मीद पूरी नहीं हुई। एक्वा मेट्रो के रूट व ब्लू लाइन मेट्रो से सीधे कनेक्टिविटी न होने के कारण काफी कम यात्री इसमें सफर कर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली का सफर आसान करने में भी एक्वा मेट्रो सफल साबित नहीं हुई है।

इसलिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एक्वा मेट्रो को सीधे डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन) की मेट्रो लाइन से लिंक करने की योजना बना रहा है। नोएडा सेक्टर 142 से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के समानांतर आगे बढ़ाते हुए इसे मजेंटा लाइन से जोड़ने का प्रस्ताव है। इससे दिल्ली, गुरुग्राम की ओर आने जाने वालों को ग्रेटर नोएडा पहुंचने में काफी सहूलियत होगी। ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी में ट्रांसपोर्ट हब का कार्य भी जल्द शुरू होगा। इसे भी एक्वा मेट्रो से जोड़ा जाएगा। डिपो स्टेशन से मेट्रो का विस्तार कर इसे ट्रांसपोर्ट हब तक ले जाया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण आगामी बोर्ड बैठक में इसका प्रस्ताव रखेगा। बोर्ड की मंजूरी के बाद इसे एनएमआरसी को भेजा जाएगा।

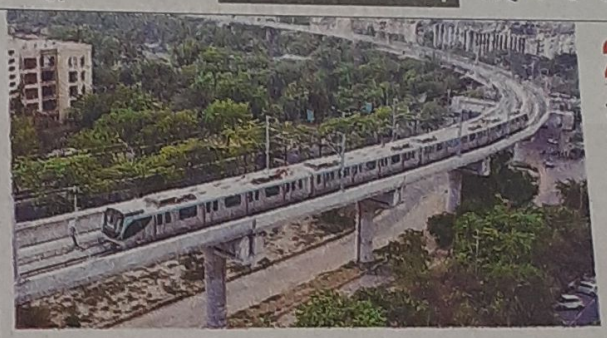

**29.7** किमी कुल लंबाई एक्वा मेट्रो

### जेवर एयरपोर्ट के लिए भी होगा फायदेमंद

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मेट्रो से कनेक्टिविटी देने की योजना है। एक्वा मेट्रो के नॉलेज पार्क दो स्टेशन से जेवर एयरपोर्ट मेट्रो को लिंक करने की योजना है। एयरपोर्ट तक यात्रियों को कम से कम समय में पहुंचाने के लिए एक्वा मेट्रो को मजेंटा या ब्लू लाइन मेट्रो से सीधे लिंक करना जरूरी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रस्ताव से जेवर एयरपोर्ट मेट्रो को भी फायदा मिलेगा। दिल्ली की ओर से आने वाले यात्री कम समय में सीधे जेवर एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे।

एक्वा मेट्रो के शुरू होने के बाद भी शहर की बसावट में अपेक्षाकृत तेजी नहीं आई है। एक्वा मेट्रो को डीएमआरसी की मेट्रो लाइन से लिंक करने का प्रस्ताव एनएमआरसी को भेजा जाएगा। ग्रेनो में मेट्रो का विस्तार ट्रांसपोर्ट हब तक किया जाएगा।

**नरेंद्र भूषण**, सीईओ ग्रेनो प्राधिकरण

### पहले भी बनी थी डीपीआर

एक्वा मेट्रो को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के समानांतर मजेंटा लाइन से जोड़ने की डीपीआर पूर्व में तैयार हुई थी। ओखला बर्ड सेंचुरी मेट्रो स्टेशन से इसे सेक्टर 142 पर एक्वा मेट्रो स्टेशन से लिंक करने के लिए करीब 11 किमी लंबा ट्रैक बनना था। लेकिन बाद में इस प्रस्ताव को रद कर दिया गया। एक्वा मेट्रो के मजेंटा लाइन से सीधे लिंक होने से एक्सप्रेस वे के किनारे स्थित कंपनियों व शिक्षण संस्थानों के हजारों कर्मचारियों व छात्रों को फायदा होगा।

### ग्रेनो वेस्ट में भी एक्वा मेट्रो का होना है विस्तार

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्वा मेट्रो का ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी विस्तार होगा। इससे यात्रियों को काफी फायदा होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसकी घोषणा कर चुके हैं। इसके लिए एनएमआरसी सर्वे करा रहा है।

# स्ट्रीट वेंडर का आवंटन कर राजस्व बढ़ाएगी एनएमआरसी

जासं, नोएडा : नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) अपने राजस्व में बढ़ोतरी करने के लिए नए विकल्प तैयार कर रहा है। इसके लिए अपने स्टेशनों के नीचे के स्थान का प्रयोग स्ट्रीट वेंडर के रूप में करेगा। ऐसा सभी स्टेशनों पर होगा। इसके लिए चुनाव बाद योजना निकाली जाएगी। स्ट्रीट वेंडर के लिए एनएमआरसी ने स्थान तय कर रखे है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा की एक्वा लाइन पर 21 मेट्रो स्टेशन हैं। राजस्व के लिए स्टेशनों की को-ब्रांडिंग की जा रही है। इसके अलावा मेट्रो रेपिंग, फिल्म शूटिंग सेक्टर-94 में मेट्रो मॉल के जरिए भी वह राजस्व में बढ़ोतरी की जा रही है। इसके अलावा अब मेट्रो स्टेशनों के नीचे स्ट्रीट वेंडर के जरिए भी राजस्व में बढ़ोतरी की जाएगी। इन वेंडरों में रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के अलावा अन्य सामानों के लिए क्योस्क आवंटित किए जाएंगे। यह सिर्फ उन क्षेत्रों में लगाए जाएंगे जिस जमीन पर एनएमआरसी का अधिकार है। बतौर प्राधिकरण से इसको लेकर बातचीत हो चुकी है। इसके अलावा स्टेशनों के अंदर भी क्योस्क लगाए जाएंगे।

स्टेशन पर कहां कहां क्योस्क लगेंगे, इसका निरीक्षण किया जा चुका है। फिलहाल को-ब्रांडिंग के तहत अब तक पांच स्टेशनों को दिया जा चुका है। चुनाव बाद दोबारा से को-ब्रांडिंग के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा।

**-पीडी उपाध्याय**, कार्यकारी निदेशक, एनएमआरसी